सुविचार
सेवा सबकी
कीजिए, मगर
आशा किसी से
मत रखिए,
क्योंकि सेवा का
सही मूल्य भगवान
ही दे सकता है,
इंसान नहीं..!!

साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech

RNI.NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

वर्ष 7, अंक-17 www.yuvapradesh.in भोपाल, शुक्रवार 03 जून 2022 ypnews24@gmail.com पृष्ठ -8 मूल्य 3 रुपये

बिहार में जातियां गिनेगी नीतीश सरकार

सर्वदलीय मीटिंग के 24 घंटे के भीतर जातीय जनगणना को कैबिनेट की मंजूरी

पटना। बिहार सरकार ने राज्य में जातीय जनगणना कराने का फैसला कर लिया है। सरकारी खजाने से 500 करोड़ खर्च कर 9 महीने में प्रदेश की करीब 14 करोड़ आबादी की जाति की गिनती की जाएगी। जाति गणना के दौरान आर्थिक गणना भी होगी। गुरुवार को कैबिनेट ने जातीय जनगणना कराने से संबंधित प्रस्ताव को मंजूर कर लिया और इसके साथ ही राज्य में जाति आधारित गणना कराने की प्रक्रिया शुरु हो गई। राज्य के चीफ सेक्रेटरी आमिर सुबहानी ने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई गुरुवार को हुई कैबिनेट की बैठक में राज्य सरकार ने अपने संसाधनों से जाति आधारित गणना कराने का प्रस्ताव स्वीकृत कर दिया है। जाति आधारित गणना करने की जिम्मेदारी सामान्य प्रशासन विभाग को दी गई है। जिलों में गणना के सम्पूर्ण काम के लिये जिलाधिकारी, यानी छ्रू नोडल अधिकारी होंगे। ग्राम पंचायत समेत उच्च स्तर के किसी भी विभाग के कर्मियों की सेवा सामान्य प्रशासन विभाग इस काम के लिए ले सकेगा। गणना पर 500 करोड़ रुपये खर्च किये जाएंगे। बिहार आकस्मिकता निधि से ये राशि खर्च की जाएगी। फरवरी 2023 तक गणना का काम पूरा करने का लक्ष्य है। इस संबंध में 24 घंटे पहले ही सरकार ने सर्वदलीय बैठक आयोजित की थी, जिसमें जातीय जनगणना का निर्णय लिया गया था। बिहार में सर्वदलीय बैठक में सभी नेताओं ने जाति आधारित जनगणना कराने पर सहमति दी थी। इसके लिए कर्नाटक मॉडल पर भी विचार हुआ। बिहार में सर्वदलीय बैठक में सभी नेताओं ने जाति आधारित जनगणना कराने पर सहमति दी थी। इसके लिए कर्नाटक मॉडल पर भी विचार हुआ।जनगणना के लिए कर्नाटक मॉडल पर भी विचार सुबहानी ने बताया कि गणना कराने की पूरी प्लानिंग चल रही है। राज्य के सभी दलों के नेताओं को समय-समय पर जाति गणना की चल रही प्रक्रिया की जानकारी दी जाती रहेगी। इस बारे में कर्नाटक मॉडल का जिक्र भी आया। कहा गया कि कर्नाटक की तरह बिहार सरकार भी ऐसी पहल कर सकती है। दरअसल, कर्नाटक की सिद्दरमैया सरकार ने 2014 में जातीय जनगणना शुरू की थी। इसका विरोध हुआ तो इसका नाम बदलकर 'सामाजिक एवं आर्थिक' सर्वे कर दिया। 2017 में आई इसकी रिपोर्ट आज तक सार्वजनिक नहीं हुई, क्योंकि इसमें 192 से अधिक नई जातियां सामने आ गई थीं।

सत्य की पहचान करो

सब मानव है एक समान
मानव का मत करो अपमान
इस सच से मत अनजान बनो
सत्य की पहचान करो
जाति-पाति और
उंचनीच की
खड़ी मत दीवार करो
विश्व के सभी मानव
हैं एक समान
मानवता से प्यार करो
सबके रगो में
लहू बहता है
दुध नही है किसी
के तन में ?
इस सच से मत इंकार करो
सत्य की पहचान करो
मां के गर्भ से ही सब
जन्म लेते हैं
मुख से कोई नहीं
जनम लेता है
प्रेम ही हो सबके लिए
नफरत क्यो पनपता है?
भुख-प्यास
दुख-दर्द
सबका होता एक सा ही
पुरे विश्व के नर नारी में
यही तो एक
समानता है।
सबको एक ही समझें
यही तो इंसानियत
और मानवता है
नफरत और हिंसा
को त्यागो
प्रेम का दीदार करो
दुश्मन नहीं मित्रो,सब
एक दुसरे के यार बनो
सत्य की पहचान करो
धरती और आकाश
सत्य है
सूर्य और चांद
सत्य है
जल और वायु
सत्य है
नर और नारी
सत्य है
जन्म और मृत्यु
सत्य है
बाकी सब जीने के
साधन है,
इससे मत अनजान बनो
जियो और जीने दो
बस इतना उपकार करो
प्यार से सबका भंडार भरो
सत्य की पहचान करो
सत्य की पहचान करो

हरीश पांडल
विचार क्रांति
छत्तीसगढ़

कर्म ही लक्ष्य है

मेरा नाम बिकता है,
मुझे दिक्कत नहीं।
कितना ही टार्चर करो,
मुझे शिकायत नहीं।।

तूफानों में खड़ा करो,
मुझे गिलवा नहीं।।
मन में प्रेम है,
किसी को छलवा नहीं।।

प्रफुलता पर निशाना लगाये,
मुझे ग़म नहीं।।
कांटों में बैठा दो,
कोई शिकवा नहीं।
मेरा तो कर्म है,
फूल बिछाने में शर्म नहीं।।

अंशु कवि
नारायण मासाब
नर्मदा पुरम होशंगाबाद

यूं हौंसला कम ना कर

तू चलता जा मंजिल की फिकर ना कर
डर मत कांटो को देखकर
तू चलता जा मंजिल की फिकर ना कर।।

डर मत, अपने हौसले को बुलंद रख
दुनिया पूछेगी तुझे, थोड़ा सा सब्र तो रख
आंधियों को देखकर नजरे मत झुका
उन आंधियों को दिखा, तू किसी तूफान से
कम नहीं,
यूं हौंसला कम ना कर,
तू चलता जा मंजिल की फिकर ना कर।।

एक बार सब्र रख, मेहनत करता चल,
तू यूं हारकर पीछे मत पलट,
मेहनत करते जा और आगे बढ़ ।
तू अपना हौसला खुद बढ़ा
यूं किसी से मत पूछा कर,
तुझे तेरी मंजिल तक खुद पहुंचना है,
यूं किसी का सहारा मत लिया कर।
बुलंद जैसा हौसला रख , यूं हताश होकर
आंधियों से मत डरा कर।।

आंधियों को दिखा दे ,
तू किसी तूफान से कम नहीं
यूं अकेला समझकर खुद को दुखी ना कर
सब तेरे साथ आएंगे कुछ मुकाम हासिल तो
कर।।

यूं तन्हाई से बाते कर लिया कर,
दिल भर आए तो रो दिया कर।।
यूं हौंसला कम ना कर,
तू चलता जा मंजिल की फिकर ना कर।।

वैशाली नारनवरे
जिला छिन्दवाड़ा

बिना हेलमेट के बाइक चलाना या सवारी करना भी भारी पड़ सकता है जानिए/MV Act,1988.....।

यह तो हम सब जानते हैं कि बिना हेलमेट के अगर हम जाते हैं तो पुलिस विभाग द्वारा हमारा अधिकतम 500 रुपये तक चालान काट दिया जाता है लेकिन मोटर यान अधिनियम,1988 की धारा 129 में बनाए नियम में लिखा है की कोई भी वाइक चालक(मोटरसाइकिल) या उसमें बैठी सवारी जिसकी उम्र चार वर्ष से अधिक हो उसे भी सर पर हेलमेट पहने बिना यात्रा नहीं करना है अर्थात वाइक चालक के साथ बैठी सवारी को भी उपर्युक्त नियम के अनुसार हेलमेट पहनना आवश्यक हैं। अगर कोई व्यक्ति (चालक) या सवारी बिना हेलमेट के वाहन पर जाते हैं तब उनके खिलाफ क्या कार्यवाही होगी जानिए।

■ **मोटर यान अधिनियम,1988 की धारा 194(घ) की परिभाषा**- अगर कोई व्यक्ति अधिनियम की धारा 129 का उल्लंघन करता है अर्थात बिना हेलमेट पहने वाइक चलाता है या पीछे बैठकर सवारी करता है तब ऐसे व्यक्ति पर एक हजार रुपए जुर्माना एवं तीन माह की अवधि तक लाइसेंस जब्त या रद्द किया जा सकता है।

■ **विशेष नोट**- कोई सिक्ख जो पगड़ी पर मोटरसाइकिल को सार्वजनिक सड़क पर चला रहा है तब उसे हेलमेट पहनने मे छूट रहेगी अर्थात यह धारा उस पर लागू नहीं होगी।

लेखक बीआर अहिरवार(पत्रकार एवं लॉ छात्र होशंगाबाद) 9827737665

पैसे उधार लेकर न देने वाले व्यक्ति के खिलाफ क्या कार्यवाही हो सकती है जानिए/IPC....

आज हम जिस अपराध के बारे में बता रहे हैं वह आपराधिक न्यासभंग का अपराध होता है इसका अर्थ अगर आम भाषा में बताए तो किसी व्यक्ति के विश्वास को तोड़ना अगर कोई व्यक्ति किसी को पैसे उधार देता है या कोई व्यक्ति किसी संस्था में कार्य करता है तब उसके पैसे को गबन करने वाला व्यक्ति आपराधिक न्यासभंग का दोषी होगा,जानते हैं कानूनी भाषा में इसकी परिभाषा।

भारतीय दण्ड संहिता,1860 की धारा 404 की परिभाषा- कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति को विश्वास करके अपनी संपत्ति कुछ समय के लिए देता है एवं बाद में उसे वह संपत्ति उसे वापस न मिले या जिसे दी है वह व्यक्ति संपत्ति को वापस न करे तब इस प्रकार की संपत्ति को हड़पने वाला व्यक्ति आपराधिक न्यासभंग के अपराध का दोषी होगा।

उधानुसार- मोहन अपने मित्र को एक एग्रीमेंट के अनुसार पचास हजार रुपए उधार देता है एग्रीमेंट पूरा होने के बाद मोहन अपने दोस्त से पैसे वापस मांगता है तब उसका मित्र पैसे देने से मना कर देता है और उसके पैसों का गबन कर लेता हैं तब मोहन का दोस्त धारा 404 के अंतर्गत आपराधिक न्यासभंग का दोषी होगा।

भारतीय दण्ड संहिता,1860 की धारा 404 के अंतर्गत दण्ड का प्रावधान-?

इस अपराध के दण्ड का प्रावधान अधिनियम की धारा 406 में किया गया है यह अपराध किसी भी प्रकार से समझौता योग्य नहीं है यह संज्ञेय एवं अजमानतीय अपराध है क्योंकि विश्वास-घात एक हत्या के बराबर होता है। इनकी सुनवाई का अधिकार प्रथम वर्ग के मजिस्ट्रेट को होता है। सजा- इस अपराध के लिए तीन वर्ष की कारावास या जुर्माना या दोनो से दण्डित किया जा सकता है।

- लेखिका श्रीमती ज्योति सिंह चौहान (महिला सामाजिक कार्यकर्ता एवं जिला ब्यूरो चीफ अलीगढ़ उ. प्र.)

एक बार अधिचूना जारी हो जाने के बाद चुनाव पर अंतरिम रोक नहीं लगाई जा सकती

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में साफ किया कि एक बार अधिसूचना जारी हो जाने के बाद चुनाव पर अंतरिम रोक नहीं लगाई जा सकती। मामला महापौर की तरह नगर पालिका के अध्यक्ष का चुनाव भी सीधे जनता से कराने की मांग से जुड़ा है। गुरूवार को प्रारंभिक सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन व जस्टिस डीके पालीवाल की ग्रीष्म अवकाशकीन युगलपीठ ने मामले की सुनवाई अब नियमित बेंच में करने की व्यवस्था दे दी।

नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच, जबलपुर के प्रांताध्यक्ष डा. पीजी नाजपांडे की ओर से मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में एक याचिका दायर कर राज्य सरकार के उस फैसले को चुनौती दी गई है जिसमें केवल नगर निगम के महापौर का चुनाव सीधे जनता से कराने का निर्णय लिया गया। याचिका में मांग की गई है कि महापौर की तरह ही नगर पालिका के अध्यक्ष का चुनाव भी प्रत्यक्ष यानी सीधे जनता से कराया जाए। अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने अवगत कराया कि पिछले सप्ताह राज्य सरकार ने नगर पालिक अधिनियम की धारा-नौ में संशोधन कर नगर निगम के महापौर का चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराने का निर्णय लिया है। वहीं सरकार ने अध्यादेश जारी कर नगर पालिका के अध्यक्ष का चुनाव चुने गए पार्षदों से कराने का निर्णय लिया है। याचिका में दलील दी गई कि दोनों की कार्यप्रणाली में कोई अंतर नहीं है। राज्य सरकार का ये कदम भेदभावपूर्ण है। याचिका में मांग की गई कि नगर निगम के महापौर और नगर पालिका के अध्यक्ष का चुनाव एक प्रणाली से कराया जाए। याचिका में अंतरिम राहत के तौर पर चुनाव पर रोक लगाने की मांग भी की गई थी। प्रदेश में 16 नगर निगम में महापौर का चुनाव सीधे जनता करेगी, जबकि 99 नगर पालिका के अध्यक्ष पद का चुनाव चुने हुए पार्षद करेंगे।

कालेजों ने जमा नहीं किया संबद्धता नवीनीकरण शुल्क, एमबीबीएस-बीडीएस की परीक्षा अटकी

इंदौर। चिकित्सा पाठ्यक्रम में बार-बार अनुत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों की परीक्षा करवाने को लेकर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने इस बार हाथ खड़े कर दिए हैं। विश्वविद्यालय ने कालेजों को संबद्धता नवीनीकरण शुल्क जमा करने को कहा है, लेकिन कालेज इसके लिए तैयार नहीं हैं। उनका कहना है कि जबलपुर आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय से संबद्धता हासिल कर चुके हैं। अब दोबारा शुल्क जमा करने का सवाल नहीं उठता है। उधर देअवि ने कालेजों को नोटिस दिया है। दरअसल, 2016 में जबलपुर विश्वविद्यालय बनाया गया। वहां प्रदेशभर के सभी मेडिकल कालेजों को शिफ्ट किया गया। देअवि के दायरे में आने वाले 15 से ज्यादा कालेज भी 2018 में जुड़े। इन कालेजों के नियमित और पुरानी बैच (डी-बैच) के विद्यार्थियों का नामांकन भी शिफ्ट कर दिया गया। इसे लेकर प्रदेशभर में भारी हंगामा हुआ। जबलपुर विश्वविद्यालय ने भी डी-बैच के विद्यार्थियों की परीक्षा करवाने से मना कर दिया। राजभवन में मामला पहुंचने के बाद तय हुआ कि पुरानी बैच की परीक्षाएं पहले की तरह करवाई जाएंगी। बाद में दो हजार विद्यार्थियों की परीक्षा करवाने की जिम्मेदारी देअवि ने उठाई, जिसमें 2010 से 2017 बैच वाले विद्यार्थी थे।

डॉ हरिशंकर दुबे जी को जन्मदिन की कवि संगम की बधाई

संस्कारधानी जबलपुर म.प्र. – पवित्र सलिला पुराणों में वर्णित मां नर्मदा के तट पर कर्मशील साहित्य मनीषी डॉ हरिशंकर दुबे जी का आज दिनांक 25.05.2022 को जन्मदिन है । कवि संगम त्रिपाठी उन्हें जन्मदिन की बधाई देते हुए गौरवान्वित है। विलक्षण प्रतिभा के धनी प्रकाशवान व्यक्तित्व के मालिक साहित्य मनीषी महामहोपाध्याय डॉ हरिशंकर दुबे जी कवि संस्कारधानी जबलपुर ही नही देश के विद्वानों में एक है यह बात

कवि संगम त्रिपाठी ने प्रमाणिकता के साथ कही व उनके राष्ट्राभिनंदन करने हेतु अपील की। हम कवियों साहित्यकारों का सम्मान कर ही संस्कृति व सभ्यता को जीवित रख सकते है। डॉ हरिशंकर दुबे जी प्रतिभाशाली व्यक्तित्व के धनी हैं उनके कृतित्व प्रेरणादायक है और नव पीढ़ी के लिए ऊर्जा दायिनी है। समाज में आज साहित्य की उपेक्षा हो रही है और फ़ूहड़ पन,छपास, चुटकुले बाजी व जोकरपंथी हावी हो गई है जिसे शासन के नुमाइंदे भी प्रेरित करते है। आज साहित्य मनीषी डॉ हरिशंकर दुबे जी के जन्मदिन को कवि संगम त्रिपाठी ने संस्कार दिवस के रुप में मनाने की अपील की है। महामहोपाध्याय डॉ श्री हरि शंकर दुबे जी को सर्वश्री गणेश प्यासा जबलपुरी, विजय तिवारी किसलय, अनिल शुक्ला हिंदी सेवी, एस.एम.ठाकुर , रमेश तिवारी, दिनेश सेन शुभ, मदन श्रीवास्तव, भावना दीक्षित ज्ञानश्री, रुपनाथ आदि ने बधाई दी।

म.प्र.श्रमजीवी पत्रकार संघ के चैतन्य मिश्रा बने अनूपपुर जिला महासचिव बधाइयो का लगा ताता

अनूपपुर। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांताध्यक्ष साथी शलभ भदौरिया ने मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के

शहडोल सम्भागीय अध्यक्ष अजीत मिश्रा, सह संयोजक अध्यक्ष मंडल मनोज द्विवेदी,मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष मोहम्मद अली की सहमति से चैतन्य मिश्रा को अनूपपुर जिला मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का महासचिव नियुक्त किया है। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रदेश महासचिव सुनील त्रिपाठी ने अनूपपुर जिला इकाई के महासचिव के रूप में चैतन्य मिश्रा को नियुक्त किये जाने की घोषणा की है। अनूपपुर जिला महासचिव पद पर चैतन्य मिश्र की नियुक्ति पर जिले के पत्रकारों जिसमें अरविंद बियानी, प्रेमचंद अग्रवाल, भरत मिश्रा, ज्ञान चंद जयसवाल, राजेश शुक्ला, अमित शुक्ला, राजन कुमार, कमलेश मिश्रा, राजेश सिंह ,मनीष त्रिपाठी, योगेन्द्र सिंह,बिज्जू थामस,पुष्पेन्द्र त्रिपाठी, रमेश तिवारी, दुर्गा मिश्रा, सोनू मसीह, गिरधारी अग्रवाल,आदित्य सिंह, सुमिता शर्मा, अनीश तिगाला, विकास पाण्डेय ,मृगेन्द्र सिंह, मनोज सिंह, अनुपम सिंह,, आनंद पाण्डेय, मदनमोहन मिश्रा,बद्रीनाथ तिवारी, राजकुमार शुक्ला, रवि,अक्कू यादव , प्रकाश तिवारी, प्रकाश सिंह, हिमांशु बियानी, राजकुमार शुक्ला, दीपक सिंह, सुधाकर मिश्रा, धर्मेंद्र कांत तिवारी,राम केवट, निजामु,रामभुवन गौतम, संदीप गर्ग,पवन गौतम, दिगम्बर शर्मा, धनपत पटेल,विवेक गौतम,प्रदीप मिश्रा, प्रदीप कुमार मिश्रा कोतमा, पुष्पेंद्र रजक,जीवन यादव, अविरल मिश्रा, हेतराम राठौर, अनिल राठौर, सूरज राठौर, और विजय राठौर आदि सहित जिले भर के पत्रकारों ने शुभकामनाएं प्रेषित किया है।

वार्डवासियों के साथ भाजपा पदाधिकारियों ने मन की बात सुनी

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा मन की बात प्रोग्राम का 89वा संस्करण 29 मई दिन रविवार को दिखाया गया । जिसे मनेन्द्रगढ़ में शक्ति केंद्र क्रमांक 7, बुथ क्रमांक 21 में सभी बूथ वासियों एवं पन्ना प्रमुखों के साथ सुना गया एवं संगठनात्मक विषयों पर वार्ड वासियो से चर्चा की गई। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा एवं शक्ति केंद्र 07 के विस्तारक अंकुर जैन, भाजपा के वरिष्ट एवं जिला संयोजक झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ट जे.के.सिंह, मन की बात प्रभारी अपूर्व कर, मंडल महामंत्री संजय गुप्ता, उपाध्यक्ष विवेक गुप्ता, शक्ति केंद्र सह-प्रभारी रितेश ताम्रकार, बुथ अध्यक्ष हरि लाल यादव (गंगा यादव), बुथ सचिव अशोक कुमार सिंह , शोभा राम यादव,पार्वती अग्रवाल, जितेंद्र यादव, बबिता केसरवानी, कमला यादव, प्रिया यादव, सावित्री कोल, अनिता यादव, रागनी यादव, पूनम ताम्रकार, बृजेश अग्रवाल, वैभव यादव, बसंत साहू , मनोज साहू, तुषार यादव, उपस्तिथ रहे।

पहले चरण के बाद अब यूजी में पंजीयन के लिए देनी होगी अधिक फीस

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग की ओर से प्रदेश के सरकारी और निजी कालेजों में प्रवेश प्रक्रिया जारी है। यूजी व पीजी में पंजीयन का आंकड़ा तेजी से बढ़ते हुए 2,75,468 पर पहुंच गया है। प्रदेश के सरकारी और निजी कालेजों में यूजी और पीजी में प्रवेश के पहले चरण के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया समाप्त हो चुकी है। अब सीएलसी का पहला राउंड शुरू किया गया है। यूजी में प्रवेश के लिए अब बढ़ा हुआ पंजीयन शुल्क का भुगतान करना होगा। 30 मई तक किए गए पंजीयन के लिए 150 रुपये देना थे। अब इसके लिए 500 रुपये देने पड़ेंगे। सीबीएसई की परीक्षाएं अब समाप्त होंगी। ज्यादातर विद्यार्थियों ने अभी परीक्षा की तैयारी करने के कारण यूजी में प्रवेश के लिए पंजीयन नहीं कराया है। ऐसे में अब जो विद्यार्थी पंजीयन कराएंगे, उन्हें 500 रुपये देने होंगे, जबकि इस देरी में उनकी कोई गलती नहीं है। उनका कहना है कि सीबीएसई के विद्यार्थियों के साथ मप्र उच्च शिक्षा विभाग एक तरह से मजाक ही कर रहा है। इस संदर्भ में उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि प्रवेश प्रक्रिया के पहले चरण के लिए रजिस्ट्रेशन की अंतिम तारीख यूजी के लिए 30 और पीजी के लिए 31 मई थी। तब सामान्य शुल्क 150 रुपए था, लेकिन इसके बाद अब कभी भी पंजीयन कराना हो तो 500 रुपए शुल्क देना होगा। उनका कहना है यह नियम पूर्व से लागू है। यहां ध्यान देने वाली बात है कि इस बार कोरोना के कारण सीबीएसई की परीक्षाएं लेट हो रही हैं। परीक्षा का पैटर्न भी बदला है, जिससे रजिस्ट्रेशन कराने से लेकर प्रवेश लेने तक की प्रक्रिया में देरी हो रही है। लेकिन मप्र शासन ने इन विद्यार्थियों के लिए भी पुराने पैटर्न पर ही फीस वसूली का नियम जारी रखा है।

32 हजार से अधिक सीटों पर प्रवेश

प्रदेश में अब तक 1272 सरकारी और निजी कालेजों में 32154 सीटों पर प्रवेश हुए हैं। अब 5,93,865 सीटों पर प्रवेश के लिए प्रक्रिया जारी है। एक जून तक यूजी के लिए कुल 6,26,019 सीटें बताई गई थीं। इनमें से यूजी के लिए अब तक 211777 आवेदकों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है, जिनमें से 186658 ने कॉलेज का विकल्प भी दे दिया है। पीजी के लिए कुल पंजीयन 63691 हुए हैं, जिनमें से 58655 ने कॉलेज का विकल्प दिया है।

रात के अंधेरे में चौथी मंजिल की बालकनी से गिरा युवक, मौत

भोपाल। राजधानी के शाहपुरा इलाके में स?थित इंदिरा नगर में एक बहुमंजिला इमारत की चौथी मंजिल से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। घटना बुधवार रात की है। युवक की पहचान 30 वर्षीय राजकुमार वंशकार के रूप में हुई है। पुलिस इसे हादसा मानकर जांच कर रही है। हालांकि युवक के नशे में होने की बात से भी पुलिस ने इन्कार नहीं किया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजन को सौंप दिया है। एएसआइ रमेश दुबे के मुताबिक राजकुमार वंशकार पत्नी और तीन बच्चों के साथ इंदिरा नगर मल्टी में रहते थे। वह दानापानी रेस्टोरेंट के पास नहर के किनारे बांस-बल्ली बेचा करते थे। बुधवार रात करीब 12 बजे उन्होंने परिवार के सभी लोगों ने साथ बैठकर खाना खाया। इसके कुछ देर बाद वे फ्लैट की बालकनी में चले गए। इस बीच स्वजन ने किसी के नीचे गिरने की आवाज सुनी। उन?होंने बाहर आकर देखा तो राजकुमार नीचे नाले में खून में लथपथ पड़े थे। स?वजन रहवासियों की मदद से राजकुमार को तुरंत जेपी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डाक्टरों ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया।

सड़क हादसे में एक की मौत

उधर, नजीराबाद थाना इलाके के आकिया जोड़ पर बुधवार रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक चालक 50 वर्षीय कल्याण सिंह की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक सूरज नगर रातीबड़ निवासी कल्याण निजी काम करते थे। बुधवार को वे रिश्तेदारों के साथ नजीराबाद स्थित मंदिर में एक अनुष्ठान में पहुंचे थे। रात करीब आठ बजे वे वापस लौट रहे थे। उनकी बाइक में रिश्तेदार 22 वर्षीय धर्मेंद्र पीछे बैठा था। आकिया जोड़ पर अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। स्वजन गंभीर हालत में उन्हें लेकर हमीदिया अस्पताल पहुंचे। जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे में धर्मेंद्र को मामूली चोटें आई हैं।

नरम तेवरों के साथ शुरू हुए नौतपा ने तीन शहरों में लू के साथ विदाई ली

भोपाल। गर्मी के नरम तेवरों के साथ शुरू हुए नौतपा ने गुरुवार को तीन शहरों में लू के साथ विदाई ली। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि वर्तमान में कोई प्रभावी मौसम प्रणाली सक्रिय नहीं रहने के कारण वातावरण में अपेक्षा नमी नहीं है। इस वजह से गर्मी के तेवर अभी अगले चारङ्कपांच दिन तक तीखे ही बने रहेंगे। इस दौरान ग्वालियर, चंबल, रीवा, सागर संभागों के जिलों में लू के हालात बने रह सकते हैं। उधर गुरुवार को मध्यप्रदेश में सबसे अधिक 45.6 डिग्री सेल्सियस तापमान खजुराहो में दर्ज किया गया। खजुराहो, नौगांव एवं ग्वालियर में लू चली। 20 शहरों में अधिकतम तापमान 42 डिग्रीसे. से अधिक दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम विज्ञानी पीके साहा ने बताया कि नौतपा (25 मई से दो जून) की शुरुआत में वातावरण में नमी रहने के कारण जबलपुर, रीवा, शहडोल संभागों के जिलों में रुकङ्करुक कर बौछारें पड़ती रहीं। मंगलवारङ्कबुधवार को इंदौर, उज्जैन संभागों में भी कहींङ्ककहीं बारिश हुई। शेष क्षेत्रों में बादल बने रहने के कारण अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी नहीं हो सकी थी। वर्तमान में नमी कम रहने के कारण तापमान फिर बढ़ने लगा है।

ये मौसम प्रणालियां हैं सक्रिय

मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ पाकिस्तान के पास ट्रफ के रूप में बना हुआ है। दक्षिणङ्कपूर्वी उत्तर प्रदेश पर हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। इस चक्रवात से लेकर नागालैंड तक एक ट्रफ लाइन बनी हुई है। शुक्ला के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ काफी कमजोर रहने के कारण उसका विशेष प्रभाव मप्र के मौसम पर नहीं पड़ रहा है। वातावरण में नमी कम होने से अब तापमान बढ़ने लगा है। शुक्ला के मुताबिक अभी सात जून तक गर्मी के तेवर तीखे बने रह सकते हैं। इस दौरान रीवा, सागर, ग्वालियर, चंबल संभागों के जिलों में कहींङ्ककहीं लू के हालत बन सकते हैं।

धनपुरी पुलिस की एक और बड़ी सफलता 4 वर्षों से फरार आरोपी को धर दबोचा

शहडोल। धनपुरी।4 वर्षो से फरार गिरफ्तारी वारंटी गोगला चौधरी पिता बाबूलाल चौधरी उमर 32 वर्ष निवासी गोप चौराहा थाना धनपुरी का प्रकरण क्रमांक 06/18 धारा 392 आईपीसी को गिरफ्तार कर न्यायालय बुढ़ार पर पेश किया गया मुख्य भूमिका ए.एस.आई गुलाम हुसैन आरक्षक रामजी गौतम आरक्षक वीरेंद्र मौर्य की रही।

बादलों के कारण सुबह रही ठंडक, तापमान 43 डिसे पहुंचने के आसार

ग्वालियर। नौ तपा के आखिरी दिन शहर में लू ने दस्तक दे दी थी, लेकिन इस लू का असर शुक्रवार को दिखा है। सुबह से बादल छाए हुए हैं। बादलों की घेराबंदी के चलते अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज होगी और लू से राहत रहेगी। अधिकतम तापमान 42 से 43 डिसे के बीच दर्ज हो सकता है। साथ ही शाम को आंधी भी आ सकती है। न्यूनतम तापमान 30 डिसे के करीब दर्ज हुआ, जिससे रात में गर्मी बढ़ गई है। 25 मई से नौ तपा की शुरुआत हुई थी। नौ तपा के दौरान भीषण गर्मी का सामना करना पड़ता है। इस बार नौ तपा के शुरुआती दिन नहीं तपे। क्योंकि नौ तपा पश्चिमी विक्षोभ से प्रभावित हो गए, लेकिन पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म होने के बाद भीषण गर्मी ने दबे पांव दस्तक दे दी। नौ तपा के अंतिम दिन सुबह से शहर भीषण गर्मी से झुलसता रहा। शहर सुबह 11ः30 बजे से शाम 5ः30 बजे तक लू की चपेट में रहा। अधिकतम तापमान भी सामान्य से 3.3 डिसे अधिक रहा। इससे गर्मी की चुभन अधिक रही। 12 दिन बाद शहर में लू की वापसी हुई है। इसके पहले 20 मई को लू चली थी। लू एक ही दिन चल सकी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के पास बने चक्रवातीय घेरे से बदला मौसमः पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ऊपर एक चक्रवातीय घेरा बना हुआ है। इस चक्रवातीय घेरे की वजह से पाकिस्तान व राजस्थान की गर्म हवा तेज गति से आ रही है।

भीम आर्मी भारत एकता मिशन तहसील रायसेन के बेरखेड़ी ग्राम में बौद्ध विहार पर बैठक का किया आयोजन

रायसेन। आज भीम आर्मी भारत एकता मिशन तहसील रायसेन के बेरखेड़ी ग्राम में बौद्ध विहार पर बैठक का आयोजन किया गया जिसने भीम आर्मी जिलाध्यक्ष जीतेन्द्र मूलनिवासी एवं अहिरवार समाज संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजेश अहिरवार जी एवं सभी सामाजिक बंधु युवा साथी उपस्थित रहे । बैठक में गजराज सूर्यवंशी जी को जिला प्रभारी के पद पर नियुक्त किया गया ओर मनोज अहिरवार जी को तहसील रायसेन जा अध्यक्ष नियुक्त किया गया । भीम आर्मी जिलाध्यक्ष ने कहा कि हमें बाबा साहब अम्बेडकर जी एवं तथागत गौतम बुद्ध जी के विचारों को जन जन तक पहुंचना है भले ही एक रोटी कम खाना है लेकिन हमारे बच्चो को अच्छी शिक्षा जरूर दिखाना है ओर हमे संगठित रहना है ओर अपने समाज के हक अधिकारों की लड़ाई को मजबूती से लड़ना है जिससे हमारे समाज हा भला हो सके।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा कोरिया की वर्चुअल बैठक हुई संपन्न

मोदी सरकार के 8 साल होने पर सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण कार्यक्र म मनाया जाएगा

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी के 8 वर्ष पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा (कोरिया) के द्वारा वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। माननीय राष्टीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी के निर्देशानुसार 30 मई से 15 जून 2022 तक देश भर में बूथ स्तर तक ÷8 साल ःसेवा, सुशासन और गरीब कल्याण÷ कार्यक्रम मनाया जाएगा । जिसमें सभी पदाधिकारियों को 1 से 15 जून तक प्रत्येक मंडल में विभिन्न कार्यों को करने की जानकारी दी गयी। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में अल्पसंख्यक मंत्रालय भारत सरकार द्वारा अल्पसंख्यक समुदाय के लिए अनेक निर्णय लिए गए जो कि 70 सालों में नहीं लिए गए और हमेशा अल्पसंख्यकों को वोट बैंक की राजनीति के तहत केवल उनका यूज़ किया गया। आर्थिक, सामाजिक रूप से शोषण किया गया । 2014 के पहले

अल्पसंख्यक मंत्रालय का बजट तीन हजार करोड़ से कम हुआ करता था वहीं मोदी सरकार के द्वारा उसे बढ़ा कर पाच हजार बीस (5020) करोड़ कर दिया गया है । अनेक योजनाएं अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा चलाई जा रही है जैसे नई उड़ान, नई रोशनी, सीखो और कमाओ, नया सवेरा, पढ़ो प्रदेश एवं छात्रवृत्ति की अनेक योजनाएं इसके अलावा सभी भारत वासियों के लिए वृद्धा पेंशन, सौभाग्य योजना, स्वच्छ भारत, उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना आदि अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं भाजपा सरकार द्वारा चलाई जा रही है, जिसका लाभ हर वर्ग के लोगों को मिल रहा है। जिसकी जानकारी भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं के द्वारा 1 से 14 जून तक लोगों के घर जाकर उनसे मिलकर बताई जाएगी एवं लाभार्थियों से बातचीत करके उन्हें विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के साथ जोड़ा जाएगा। अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों के प्रभावी व्यक्तियों से मिलना एवं जिले मे निवासरत शहीद परिवार से भी अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारी मिलेंगे, लोगों को निशुल्क पौधे वितरण किया जाएगा, वृक्षारोपण कर के उसे संरक्षण करने का कार्य भी किया जाएगा आदि अनेक कार्यक्रम किए जाएंगे।

आरटीओ में फिर खत्म लाइसेंस खाली कार्ड, मार्च से अब तक तीसरी बार हुआ ऐसा

इंदौर। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में लाइसेंस के खाली कार्ड एक बार फिर से खत्म हो गए है। इस साल मार्च से लेकर अब तक यह तीसरी बार हुआ है कि इस तरह से कार्ड खत्म हो गए है। इधर इस कारण लोगों को परेशानी हो रही है। ट्रायल देने वाले लोग अब भी लाइसेंस के लिए परेशान हो रहे है और लगातार आरटीओ कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, बीते दो-तीन दिनों से यह नई परेशानी खड़ी हुई है, जब यहां पर लाइसेंस के खाली कार्ड खत्म हो गए हैं। इसके कारण यहां पर लाइसेंस ही प्रिंट नहीं हो पा रहे हैं। लाइसेंस का काम केन्द्र के सर्वर पर जाने के बाद इसके लाइसेंस प्रिंट करने का काम स्मार्टचिप कंपनी को ही मिला है। कार्ड वहीं से आते है। लेकिन बीते कुछ दिनों से लाइसेंस के खाली कार्ड ही खत्म हो गए है। इससे परेशानी खड़ी हो गई है। वहीं सूत्रों ने बताया कि इसमें से भी कुछ कार्ड को वीआइपी के लिए रख लिया गया है। अधिकारियों के इशारों पर उसे निकाल कर दिया जाता है। शेष लोगों के लिए लाइसेंस बाद में प्रिंट किए जाएंगे। पिछले माह 10 हजार कार्ड आए थे लेकिन वो जल्द ही खत्म हो गए। दरअसल पुराने प्रिंट निकालने में ही बड़ी संख्या में कार्ड लग गए थे। बताया जा रहा है कि करीब दो हजार से अधिक लाइसेंस पेंडिंग है। इंदौर आरटीओ में सबसे अधिक लाइसेंस बनते हैं। यहां पर पक्के, डुप्लीकेट और रिन्यूअल लाइसेंस के मिला कर करीब 400 लाइसेंस रोज निकाले जाते है। पिछले दिनों जब कार्ड आए थे तो आरटीओ में प्रिंटर की कार्टेज खत्म हो गई थी।

आजादी के महान क्रांतिकारी वीर सपूत मनीराम अहिरवार जी को राष्ट्रीय शहीद घोषित न करने पर अनुसुचित जाति है नाराज : मुकेश अहिरवार

नरसिंहगढ़ /राजगढ़। सम्पूर्ण अनुसूचित जाति वर्ग मध्यप्रदेश से आवाज उठ रही है कि मध्यप्रदेश के एकमात्र अनुसूचित जाति के वीर शहीद मनीराम अहिरवार जी को आज जब हमारा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा ।तब भी हमारे देश में अनुसूचित जाति के महान क्रांतिकारी स्वतंत्रता आंदोलन में अंग्रेजी सेना से युद्ध लडा और उन्हें परास्त कर गांव से खदेड़ कर आजादी का ढंका बजाने के वीर सपूत मनीराम अहिरवार जी को राष्टीय शहीद का दर्जा क्यों नहीं? सन 19 42 के स्वतंत्रता आंदोलन में महात्मा गांधी जी के आवाहन पर अनगिनत अनुसूचित जाति और जनजाति वर्गों के लोगों ने भाग लिया और अपने प्राणों की आहुति देकर हमें आजादी दी। लेकिन अफसोस की बात है कि जब हर स्तर पर हमारे पूर्वजों को आजादी की सांस लेनी थी। तब हमारे देश के वीर शहीद मनीराम जी अहिरवार आगे आये एवं अपने देश व समाज के खातिर शहादत हो जाने के लिए संघर्ष किया। सन 19 42 में दिनांक 23 अगस्त इतिहास में एक ऐसा महान क्रांतिकारी दिन था। जिस समय अंग्रेजी सेना की एक टुकड़ी चीचली गौड़वाना राजमहल की ओर बड़ी आ रही थी। जो कि गोंड महल पर कब्जा कर लुट करना चाहती थी।

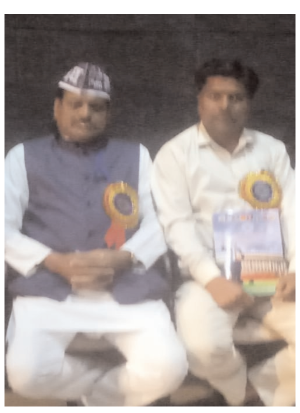

गोंड महल के सुरक्षा सेवादार वीर मनीराम अहिरवार जी वह महल की देखभाल कर रहे थे। उसी दिन अंग्रेजी सेना ने महल पर धावा कर दिया। जिस पर वीर मनीराम अहिरवार जी ने अंग्रेजी सेना से अनवरत युद्ध कर विजय प्राप्त की। अंग्रेजी सेना को लहूलुहान कर गांव से खदेड़ दिया था । वीर शहीद मनीराम जी के संघर्ष में मंशाराम जसाटी और वीरांगना गौरादेवी घटना स्थल पर शहीद हुई। वीर शहीद मनीराम जी एक अदम्य साहसी और मात्रृभूमी के महान योद्धा थे, जिन्होंने लगातार युद्ध कर महल पर कब्जा करने पर एवं गांव सहित अनुसूचित जाति व जनजातियों को गुलाम होने से आजाद कराया। वीर मनीराम जी की ही महानता है कि उन्होंने हमारे अनुसुचित जाति व जनजातियों को सांस लेने एवं बेगारी प्रथा का विरोध कर हमें स्वतंत्रता से रहने की कुर्बानी दी है। अनुसूचित जाति समाज को बहुत दुख और हैरानी हो रही है कि हमारे वर्ग के महान पराक्रमी वीर मनीराम जी अहिरवार को आज तक सम्मान क्यों नहीं दिया? वह गरीब और अनुसूचित जाति के थे। उनके वरीसान /उत्तराधिकारी न समझ दे। क्या यही कारण है कि क्या छोटी जाति के थे। अनेक प्रशन समाज में उठ रहे हैं कि हमारे वर्ग के महान स्वतंत्रता संग्राम आन्दोलन में शहादत देकर गौरवान्वित करने वाले अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी को राष्टीय शहीद का दर्जा क्यों नहीं? आज परिवार गरीब व असहाय है,जबकि आज तक की सरकार ने हर आजादी के योगदान देने वाले वीर शहीदों को नमन कर मान, सम्मान एवं उनके परिवार को सम्मानित किया गया है। लेकिन वीर मनीराम अहिरवार जी के परिवार के उत्तराधिकारी उनके सुपौत्र मूलचन्द मेधोनिया गरीबी व भूखमरी का जीवन जीने के लिए विवश है।

हमारे मध्यप्रदेश की अनुसूचित जाति और अहिरवार समाज, जाटव समाज सहित सम्पूर्ण रविदास वंशीय समाज की ओर से मांग है। अमृत महोत्सव अभियान कार्यक्रम देश भर में आजादी के महान इतिहास में योगदान करने वाले अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी को राष्टीय शहीद का दर्जा प्रदान करे ।तथा इसके परिवार के मूलचन्द मेधोनिया को जीवन यापन हेतु आर्थिक सहयोग, परिवार के एक सदस्य को शासकीय नौकरी के अलावा चीचली राजा श्री शंकर प्रताप सिंह जू देव ने उन दिनों घोषित बीस एकड कृषि भूमि शीघ्र सहायता की जाना चाहिए। हमारे महापुरुषों का परिवार आज तक परेशानी व बेसुमार जीवन जीने के लिए विवश है। अतः मध्यप्रदेश की सरकार द्वारा यथोचित सम्मान व समानता के आधार पर हितकारी काम होना चाहिए।

25 मई छत्तीसगढ़ के संप्रदायिक सौहार्द्र का एक काला दिन - अंकुर जैन

मनेंद्रगढ़/कोरिया। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष अंकुर जैन ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि 25 मई 2022 छत्तीसगढ़ के संप्रदायिक सौहार्द्र का एक काला दिन था । सर्व आदिवासी सम्मेलन में हाई स्कूल मैदान, विधानसभा गुंडरदेही, जिला बालोद में छत्तीसगढ़ क्रांति सेना का तथाकथित प्रदेशाध्यक्ष अमित बघेल द्वारा सभी हिन्दू समाज विशेषकर जैन समाज के लिए एक बहुत ही अभद्र टिप्पणी की है। जैन मुनि जो कि एक अहिंसा के प्रतीक हैं, जैन मुनि जो कि चलते-फिरते एक

तीर्थ हैं, वह प्राणी मात्र के ऊपर करुणा का भाव रखते हैं, ऐसे जैन मुनि के ऊपर ऐसी निंदनीय टिप्पणी करना अमित बघेल की कुंठित मानसिकता को प्रदर्शित करता है और साथ ही साथ उनका यह भी कहना है कि वह नरबलि को प्रोत्साहित कर रहे हैं । क्या आप भारतीय संविधान का विरोध कर रहे हैं, भारतीय संविधान जिसके अंदर हम सभी आते हैं, प्रत्येक व्यक्ति जो भारत में रहता है वह भारत के संविधान के अंदर आता है। पर तथाकथित कुछ अमित बघेल जैसे लोग क्या भारत के संविधान को नहीं मानते, क्या भारतीय होने से बड़ा क्या परदेसिया होना हो गया । यह कुंठित मानसिकता के लोग हैं जो छत्तीसगढ़ के सोहद्र को बिगाड़ने का जो गंदा खेल अमित बघेल द्वारा खेला जा रहा है मैं उसका कड़ा विरोध करता हुँ। छत्तीसगढ़ के समस्त जैन समाज के द्वारा थानों में अमित बघेल के खिलाफ एफ. आई.आर. दर्ज करने के लिए आवेदन दिया गया है। जब तक अमित बघेल की गिरफ्तारी नहीं हो जाती तब तक जैन समाज द्वारा विरोध किया जाएगा।

शासन-प्रशासन जैन समाज की जन भावनाओं का आदर करे और हमारी सहनशीलता को हमारी कमजोरी ना समझें। जैन समाज अहिंसा परमो धर्मा और जियो और जीने दो के सिद्धांत पर विश्वास रखते हैं पर जहां धर्म, देश, संविधान की बात आती है वहां हमें आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। अमित बघेल जैसे व्यक्ति पर तत्काल कड़ी से कड़ी कार्यवाही करें और छत्तीसगढ़ के सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने से बचाएं। इस वाक्ये को इतने दिन हो जाने के बाद भी अमित बघेल की गिरफ्तारी ना होना यह शासन-प्रशासन की कमजोरी है या कोई बड़ी शक्तियां जो उनके ऊपर कार्यवाही नहीं होने दे रही यह भी एक जांच का विषय है और उनके पीछे जो लोग उन्हें संरक्षण देने का काम कर रहे हैं ऐसे लोगों का भी नाम सार्वजनिक होना चाहिए। शीघ्र ही अगर अमित बघेल के खिलाफ गिरफ्तारी नहीं होती है तो भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के द्वारा वृहद आंदोलन किया जाएगा। मनेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मनेंद्रगढ़,चिरमिरी कि जैन समाज द्वारा एफ.आई.आर दर्ज करने के लिए आवेदन दिया गया है परंतु प्राप्त जानकारी के अनुसार अभी तक एफ.आई.आर दर्ज नहीं की गई है।

धनपुरी क्षेत्र की मार्केट अब रात्रि 10.30 बजे पूरी तरह होगी बन्दः व्यापारी संघ धनपुरी का फैसला

धनपुरी के नए थाना प्रभारी नरवद सिंह धुर्वे की पहल पर मीटिंग हुई सफल।

धनपुरी। धनपुरी क्षेत्र को सुरक्षित और व्यवस्थित रखने के लिए पुलिस, प्रशासन और नगरपालिका अधिकारियों की मध्यस्थता में थाना धनपुरी परिसर में व्यापारी संघ धनपुरी की मीटिंग आयोजित हुई। मीटिंग में मुख्य चौराहों पर सी.सी.टी.वी कैमरे लगाने, ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने, क्षेत्र में संचालित दुकानों का रिकॉर्ड रखने और दुकाने बन्द करने के समय पर चर्चा की गई। सर्वसम्मति से व्यापारी संघ द्वारा रात्रि 10.30 बजे तक मेडिकल दुकानों को छोड़कर अन्य सभी दुकाने और होटल रेस्टोरेंट आदि भी हर हालत में बंद कर दी जाएंगी । मीटिंग में थाना प्रभारी धनपुरी नरबद सिंह धुर्वे, तहसीलदार बुढ़ार दीपक पटेल, प्रभारी सी एम ओ धनपुरी रविकिरण त्रिपाठी, व्यापारी संघ के अध्यक्ष अजय जायसवाल एवं अन्य व्यापारी बन्धु उपस्थित रहे।

चोरी के तांबा तार सहित एक युवक गिरफ्तार।

मनेंद्रगढ़(कोरिया)। चोरी की गई तांबे की तार को खोंगापानी से मनेंद्रगढ़ बिक्री करने के उद्देश्य से ला रहे एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 15 किलो 500 ग्राम जब्त तांबे के तार की कीमत लगभग ?12400 बताई जा रही है। ज्ञात हो कि पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर द्वारा लगातार चोरी एवं अनसूलझे मामलों की समीक्षा की जा रही है तथा सभी थाना प्रभारियों को चोरी के मामलो के निकाल करने निर्देशित किया जा रहा है, उसी तारतम्य में दिनांक 28.05.2022 को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति चोरी का तांबा तार बोरी में भरकर अपने सायकल में लोडकर खोंगापानी से मनेन्द्रगढ़ बिकी करने हेतु आ रहा है। मुखबिर सूचना पर तत्काल पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर को अवगत कराया गया एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी मनेन्द्रगढ़ राकेश कुमार कुर्रे के निर्देशन में आरोपी की घेराबंदी करने हेतु थाना मनेन्द्रगढ़ पुलिस टीम सिद्धबाबा घाटी के नीचे चनवारीडांड रवाना हुई तथा मुखबिर के बताये अनुसार चिन्हिाकित व्यक्ति को घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम महिपाल सिंह पिता प्रेम, निवासी पोखरी दफाई खोंगापानी, थाना झगराखाण्ड बताया। आरोपी का कृत्य धारा41(1-4) जा. फौ/379, भा0द0वि0 का पाये जाने से इस्तगासा कमांक 06/2022 कायम कर आरोपी को दिनांक 28. 05.2022 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है। सम्पूर्ण कार्यवाही में सहायक उप निरीक्षक नईम खान,बी0के0सिंह आरक्षक राजेश लकड़ा , सोनल पाण्डेय, राकेश शर्मा, सैनिक विनीत सोनी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नायब तहसीलदार विभोर यादव ने चौपाल लगाकर समस्या की जानकारी लेकर त्वरित निराकरण किया

मनेंद्रगढ़। तहसील मनेंद्रगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत खैरबना में अपने ईमानदारी तथा त्वरित निराकरण एवम अनोखे कार्यों के लिए चर्चित नायब तहसीलदार मनेंद्रगढ़ श्री विभोर यादव द्वारा गांव में चौपाल लगाकर 28 किसान किताब ऋष्टा पुस्तिका का वितरण किया गया। तहसीलदार ने ग्राम पंचायत के सामने ही दरी बिछाकर गांव वालों के साथ नीचे ही बैठ गए और मौके पर उपस्थित ग्रामवासियो उनकी समस्या को पूछकर उसका त्वरित निदान किया। ग्रामवासियो से राशनकार्ड, पेंशन का वितरण ,फौती नामांतरण , वन अधिकार पट्टा इत्यादि के विषय में जानकारी ली गई ।

तहसीलदार को अपने बीच पाकर ग्रामवासी उत्साहित और खुश थे। बता दें कि नायब तहसीलदार के पदस्थापना के बाद से ही राजस्व संबंधी समस्यायों का जल्द निराकरण किया जा रहा है । नामांतरण के 500 से ज्यादा बटवारा के 100 से ज्यादा एवम सीमांकन के सम्पूर्ण प्रकरणों का निराकरण किया गया है जिससे की क्षेत्रवासियो एवं किसानों में खुशी का माहौल है। दो पक्षों के बीच विवाद को बेहतरीन तरीके से सुलझाते हैं ।वर्तमान में नायब तहसीलदार विभोर यादव के कोर्ट में एक भी प्रकरण समय सीमा के बाहर नहीं है तथा समय सीमा में संपूर्ण प्रकरण को निराकृत कर लिया जाता है। वर्षों से चले आ रहे विवादित प्रकरणों में खुद मौका जांच कर प्रकरणों का निपटारा प्राथमिकता से किया गया है। नायब तहसीलदार के व्यवहार और संपर्क से गांव के लोग उनकी तारीफ करते नही थकते। वही नायब तहसीलदार का कहना है की कलेक्टर सर के कुशल मार्गदर्शन एवं उनके ग्रामीणों

किसानों के प्रति संवेदनशीलता के कारण सर के निर्देशन में वो अपने पदीय दायित्व को पूरी निष्ठा से पूर्ण कर रहे हैं तथा ग्रामीणों को शासन के योजनाओं का लाभ दिला रहे हैं तथा ग्रामीणों की सुविधा के लिए उन्हें अपना मोबाइल नंबर भी उपलब्ध कराए हैं।

बीरेंद्र बहादुर तिवारी छत्तीसगढ़ टीचर एसोसिएशन कोरिया के जिलाध्यक्ष बने

कोरिया। गत दिवस शिक्षकों के सबसे बड़े संगठन छत्तीसगढ़ टीचर एसोसिएशन के प्रांताध्यक्ष श्री संजय शर्मा ने नवनिर्मित जिलों में संगठन के जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की जिसमे कोरिया जिले की कमान बीरेंद्र बहादुर तिवारी को सौंपा। श्री तिवारी अविभाजित मध्यप्रदेश के समय से ही संगठन में सक्रिय थे एवं छत्तीसगढ़ निर्माण के बाद संगठन में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन किया।वर्तमान में वे संघ के जिला उपाध्यक्ष के दायित्व का निर्वहन कर रहे थे।वर्तमान में नवीन जिला मनेन्द्रगढ़ के गठन के बाद तत्कालीन जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह को मनेन्द्रगढ़ का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। श्री तिवारी के कोरिया जिलाध्यक्ष बनने पर प्रांतीय/संभागीय पदाधिकारी शिक्षक साथियों एवं इष्ट मित्रों ने शुभकामनाएं दी हैं। श्री तिवारी ने संगठन के मुखिया एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि जिस भरोसे के साथ मुझे यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।संगठन के सभी साथियों के साथ/सहयोग से कार्य करते हुए भरोसे पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा।

संपादकीय

स्वर्णिम दो साल, किसान मालामाल

सुशासन की आठ प्रमुख विशेषताएँ हैं। यह आम सहमति, जवाबदेही, भागीदारी, पारदर्शी, उत्तरदायी, प्रभावी एवं कुशल, न्यायसंगत और समावेशी होने के साथ-साथ कानून के शासन का अनुसरण करता है। हमारा मध्यप्रदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सुशासित लोक-कल्याणकारी प्रबंधकीय अवधारणा को न केवल साकार करने के लिए कृत-संकल्पित है बल्कि विगत 2 वर्ष में फसल उपार्जन, फसल बीमा, फसल हानि राहत, बिजली सब्सिडी आदि किसानों के कल्याण की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों के खातों में 1 लाख 72 हजार करोड़ रूपए से अधिक की राशि अंतरित की गई। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश खुशहाल अन्नदाता के सपनों को भी बखूबी साकार कर रहा है। ग्रामीण और कृषि अर्थ-व्यवस्था की मजबूत पहचान के साथ आगे बढ़ते मध्यप्रदेश में अन्नदाताओं की आय दोगुनी करने का प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का संकल्प पूरा कर स्वर्णिम इतिहास रच दिया गया है। कृषक समाज की खुशहाली के लिए बीते दो सालों में अभूतपूर्व कार्य और इंतजाम किए गए हैं। मध्यप्रदेश किसान-कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के अंतर्गत किसानों से संबंधित केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं के साथ राज्य की योजनाएँ जमीनी स्तर पर सफलतापूर्वक लागू होने से अन्नदाताओं में हर्ष है। केन्द्र प्रवर्तित योजनाएँ जैसे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन तिलहन, नेशनल मिशन फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर, सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, परम्परागत कृषि विकास योजना, स्वाईल हेल्थ कार्ड योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, सबमिशन ऑन एग्रोफोरेस्ट्री, समर्थन मूल्य में फसल का उपार्जन का लाभ हमारे किसानों को भरपूर मिल रहा है। यही कारण है तिलहन, दलहन और धान की उपज और बिक्री में मध्यप्रदेश ने उल्लेखनीय सफलताएँ हासिल की हैं। मध्यप्रदेश के अन्नदाताओं के सर्वांगीण विकास और खुशहाली के लिए राज्य की योजनाएँ भी भलीभांति फलीभूत हो रही है। नलकूप खनन योजना, राष्ट्रीय बायोगैस योजना, कृषि शक्ति योजना, कृषि यंत्रीकरण को प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना, मुख्यमंत्री कृषक फसल उपार्जन योजना, अन्नपूर्णा योजना, मुख्यमंत्री खेत तीर्थ योजना बहुत ही प्रभावकारी साबित हुई है। विगत दो साल में किसानों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाओं से किसानों के खातों में एक लाख बहत्तर हजार करोड़ रूपये से अधिक की राशि अंतरित की जा चुकी है।

नीर के लिए पीर का स्थाई समाधान है जल जीवन मिशन

जिले के दोनों विकासखण्ड में 167 ग्राम पंचायतें और 254 ग्राम हैं

मिशन में यह प्रावधान रखा गया कि ग्रामीण आबादी में नल से जल उपलब्ध कराने पर होने वाला व्यय केन्द्र तथा राज्य सरकार बराबर-बराबर वहन करेंगी। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मिशन की खूबियों को जाना और इसके सफल क्रियान्वयन के लिये अपनी पूरी शक्ति लगा दी। उनका मानना था कि ग्रामीण अंचल की माता-बहनों की नीर के लिए पीर को मिशन के माध्यम से हमेशा के लिए दूर किया जा सकता है। मुख्यमंत्री श्री चौहान का संकल्प भी हैं कि मिशन से प्रदेश की करीब सवा 5 करोड़ ग्रामीण आबादी को नल कनेक्शन के जरिए गुणवत्तापूर्ण जल की व्यवस्था समय-सीमा में हो जाए।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2019 को लाल किले की प्राचीर से घोषणा की थी कि देश की समूची ग्रामीण आबादी को शुद्ध पेयजल उनके घर पर ही नल कनेक्शन के जरिये दिये जाने की व्यवस्था की जायेगी। प्रधानमंत्री की इस घोषणा को अमल में लाने के लिए केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने राष्ट्रीय जल जीवन मिशन की गाइड-लाइन जारी की। इसके मुताबिक गाँव के हर परिवार को नल कनेक्शन से जल उपलब्ध करवाने की व्यवस्था की जा रही है। मिशन में यह प्रावधान रखा गया कि ग्रामीण आबादी में नल से जल उपलब्ध कराने पर होने वाला व्यय केन्द्र तथा राज्य सरकार बराबर-बराबर वहन करेंगी। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मिशन की खूबियों को जाना और इसके सफल क्रियान्वयन के लिये अपनी पूरी शक्ति लगा दी। उनका मानना था कि ग्रामीण अंचल की माता-बहनों की नीर के लिए पीर को मिशन के माध्यम से हमेशा के लिए दूर किया जा सकता है। मुख्यमंत्री श्री चौहान का संकल्प भी हैं कि मिशन से प्रदेश की करीब सवा 5 करोड़ ग्रामीण आबादी को नल कनेक्शन के जरिए गुणवत्तापूर्ण जल की व्यवस्था समय-सीमा में हो जाए।

बुरहानपुर बना शत-प्रतिशत नल-जल युक्त वाला प्रदेश का पहला जिला

मध्यप्रदेश का बुरहानपुर ऐसा पहला जिला है जहाँ मिशन के माध्यम से शत-प्रतिशत ग्रामीण आबादी को उनके घर में नल कनेक्शन के जरिए जल उपलब्ध करवा दिया गया है। जिले के दोनों विकासखण्ड में 167 ग्राम पंचायतें और 254 ग्राम हैं। इन सभी गाँवों के प्रत्येक परिवार तक नल कनेक्शन से जल उपलब्धता की व्यवस्था सुनिश्चित की जा चुकी है। सभी ग्रामीण परिवार मिशन से लाभान्वित होकर घर पर ही पेयजल की सुविधा का लाभ ले रहे हैं। मिशन में प्रावधान के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र में संचालित सभी आँगनवाड़ी केन्द्र और शालाओं में भी प्लेटफार्म बनाकर उनमें नल कनेक्शन से जल उपलब्ध करवाने की व्यवस्था की गई है। अब आँगनवाड़ी और स्कूल के बच्चों और वहाँ कार्यरत शासकीय अमले को गुणवत्तापूर्ण तथा पर्याप्त पेयजल उपलब्ध रहेगा। प्रदेश में जून 2020 से जल जीवन मिशन में ग्रामीण पेयजल व्यवस्था को गति मिली और ग्रामीण परिवारों को नल से जल। इस तरह गाँव के हर घर में नल कनेक्शन से जल उपलब्ध करवाने का सिलसिला प्रारम्भ हुआ। अब सभी जिलों की ग्रामीण आबादी को नल कनेक्शन से जल उपलब्ध करवाने के कार्य तेज गति से चल रहे हैं। प्रदेश में बदलाव के साक्ष्य के रूप में मिशन में 48 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन से निरन्तर जल प्रदाय शुरू हो गया है। मिशन से सभी स्कूलों और आँगनवाड़ियों में भी नल कनेक्शन से पेयजल प्रदान करने के अभियान में भी तेजी से काम किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में अब तक लगभग 69 हजार से अधिक

■ विगत 22 माहों में प्रदेश के 4 हजार 143 ग्रामों के सौ फीसदी घरों में नल कनेक्शन की सुविधा उपलब्ध कराई जा चुकी है।

शालाओं तथा 40 हजार से अधिक आँगनवाड़ियों में नल से जल सुलभ कराया जा चुका है। शेष स्कूल और आँगनवाड़ियों में नल से जल पहुँचाने का कार्य निरंतर जारी है। जल जीवन मिशन में जल-संरचनाओं के निर्माण और संधारण के कार्य लगभग हर जिले में जारी हैं। ग्रामीण जनसंख्या के आधार पर प्राप्त प्रस्तावों पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल-प्रदाय योजनाओं की स्वीकृति दिये जाने का सिलसिला बना हुआ है।

4 हजार से अधिक ग्रामों में नल से जल

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और जल निगम प्रदेश के सभी ग्रामीण अंचल के हर परिवार तक नल कनेक्शन से जल पहुँचाने के लिये लगातार कार्य कर रहे हैं। विगत 22 माहों में प्रदेश के 4 हजार 143 ग्रामों के सौ फीसदी घरों में नल कनेक्शन की सुविधा उपलब्ध कराई जा चुकी है। मिशन के संचालन के लिये मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य जल एवं स्वच्छता समिति, कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता समिति और गाँव स्तर पर ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों का गठन किया गया है। योजना में निर्माण लागत की 10 प्रतिशत राशि जन-भागीदारी से जुटाने का प्रावधान है, जो श्रम, सामग्री अथवा नगद राशि के रूप में ली जा रही है। अनुसूचित जाति एवं जनजाति बहुल ग्रामों में जन-भागीदारी का अंश 5 प्रतिशत रखा गया है।

मिशन मार्गदर्शिका के घटकों के अनुरूप कार्य-संचालन

प्रदेश में मिशन के बेहतर संचालन के लिए मिशन की मार्गदर्शिका के अनुसार प्रमुख रूप से चार घटकों को शामिल कर उनके अनुरूप कार्यवाही की जा रही है। प्रथम घटक - कार्य प्रबंधन इकाई (पीएमयू) के अन्तर्गत दो टीमें गठित हैं। एक टीम तकनीकी सहायता तो, वहीं दूसरी टीम प्रबंधन समर्थन के लिए मैकेनिज्म पर काम कर रही है। जिला स्तर पर मिशन की सहायता के लिए जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई बनाई गई है। दूसरा घटक - कार्यान्वयन सहायता एजेन्सी (आईएसए) चयनित ग्रामीण क्षेत्र में जल-प्रदाय योजनाओं से प्रभावित समुदाय को सुविधा प्रदान करने, जन-सहयोग की सहमति लेने, बुनियादी ढाँचे के प्रबंधन के लिए गठित ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति को मार्गदर्शन देने का कार्य कर रही है। प्रत्येक जिले की अपनी कार्यान्वयन सहायता एजेन्सी है। तीसरा घटक - तृतीय पक्ष मूल्यांकन संस्थाएँ (टीपीआई) निरीक्षण के बाद यह तय करती है कि निर्माण संस्था द्वारा निर्धारित मापदण्ड के अनुसार कितना कार्य कर लिया है और किए गए कार्य के विरूद्ध संस्था को कितने भुगतान की पात्रता बनती है। चौथा घटक - कौशल विकास प्रशिक्षण के अन्तर्गत ग्रामीण आबादी में स्थापित जल व्यवस्था का संचालन, संरक्षण और संधारण बेहतर हो सके, इसकी भी व्यवस्था की गई है।

एफटीके से जल परीक्षण का प्रशिक्षण

मिशन में ग्रामीण परिवारों को मिल रहा जल गुणवत्तापूर्ण है, इसकी समुचित जाँच के लिए स्थानीय महिलाओं को एफटीके से जल परीक्षण का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जल-प्रदाय योजना का संचालन और संधारण बेहतर बनाये रखने के लिए वित्त प्रबंधन आवश्यक है। स्व-सहायता समूह की महिलाओं के सेक्टर वाइस क्लस्टर बनाकर उन्हें जल उपभोक्ता परिवारों से जलदर प्राप्त करने का दायित्व भी सौंपा गया है।

अनुसूचित जातियों के सर्वांगीण विकास के लिये कृत-संकल्पित है सरकार

राज्य सरकार अनुसूचित जातियों के कल्याण और उनके सर्वांगीण विकास के लिये कृत संकल्पित है। अनुसूचित जातियों की जनसंख्या के मान से प्रदेश के कुल बजट में 16 प्रतिशत का प्रावधान कर इन वर्गों के आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक उत्थान के लिये अनेक कल्याणकारी कार्यक्रम संचालित हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों की शिक्षा-दीक्षा के लिये कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखी है। चाहे छात्रवृत्ति हो या मैस का बेहतरीन इंतजाम अथवा विदेश में पढ़ाई की बात हो, सरकार द्वारा अनुसूचित जाति के छात्रों के लिये खुले हाथ खर्च किया जा रहा है। अनुसूचित जाति वर्ग के 4 लाख 48 हजार विद्यार्थियों को 480

फाइल फोटो

करोड़ रूपये की पोस्ट-मेट्रिक छात्रवृत्ति का वितरण किया गया है। इसी प्रकार राज्य छात्रवृत्ति के रूप में 16 लाख 37 हजार विद्यार्थियों को 154 करोड़ रूपये की राज्य छात्रवृत्ति का वितरण किया गया है। इसके अलावा 80 हजार विद्यार्थियों को 115 करोड़ रूपये की आवास सहायता का वितरण किया गया। यही नहीं 50 विद्यार्थियों के लिये विदेश अध्ययन की सुविधा के लिये प्रति विद्यार्थी प्रतिवर्ष 50 हजार यूएस डॉलर की छात्रवृत्ति की पात्रता है। उल्लेखनीय है कि कुल 1750 सीट क्षमता के 10 कन्या छात्रावास भवन स्वीकृत किये गये हैं। इसके लिये 83 करोड़ 55 लाख रुपये की मंजूरी दी गई है। अनुसूचित जाति के 93 हजार 752 विद्यार्थियों के लिये आवासीय सुविधा के लिये 1913 छात्रावासों का संचालन किया जा रहा है। गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा के लिये 640 सीटर 10 ज्ञानोदय विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। कुल 1933 छात्रावासों में मैस संचालन के लिये शिष्यवृत्ति की राशि 106 करोड़ 20 लाख रुपये का प्रावधान है। अनुसूचित जाति बहुल ग्रामों के लिये भी बड़ी राशि से विभिन्न कार्य पूर्ण अथवा प्रगतिरत हैं। अनुसूचित जाति बस्तियों के विकास के लिये 30 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है।

फिर लौटेगा गौ-सदनों का वैभव

मध्यप्रदेश गायों एवं गायों की सन्तानों (बछड़े-बछड़ियों, सांड-बैलों) के संरक्षण के लिए सर्वाधिक अनुकूल राज्य है। यहाँ का 951 हजार वर्ग किलो मीटर का जंगल गौ-वंश का आश्रय-स्थल है। सृष्टि के प्रारंभ से ही प्रकृति और मूक-प्राणियों के मध्य एक नैसर्गिक समीकरण बना हुआ है। गायों का भोजन जंगल में और गोबर एवं गौ-मूत्र के रूप में जंगल का आहार गायों के पास। शासन-प्रशासन और आम नागरिकों को मिलकर इस प्राकृतिक समीकरण के आधार पर गौ-वंश के संरक्षण एवं पालन की दिशा में युगानुकूल सम-सामयिक और नवाचार विधि से कार्य करना चाहिये। अविभाजित मध्यप्रदेश के जंगलों में वर्ष 1916 से 10 गौ-सदन होते थे। वर्षा काल में लगभग 3 माह गौपालकों-कृषकों का पालित गौ-वंश जंगलों में बने इन्हीं 10 गौ-सदनों में निवास करता था। दीपावली के आसपास इन गौ-सदनों से कृषकों-गौ-पालकों का गौ-वंश सकुशल घर वापस आ जाता था। प्राचीन भारत का यह ÷किसानों की फसल सुरक्षा एवं गौ-वंश के संरक्षण÷ का पारम्परिक रोडमेप हुआ करता

था। ये गौ-सदन वर्ष 2000 तक व्यवस्थित संचालित होते रहे। गौ-सदनों के पास जंगलों में 7200 एकड़ चरनोई भूमि होती थी। वन विभाग की इस भूमि पर राज्य के पशुपालन विभाग का आधिपत्य रहा। मध्यप्रदेश का विभाजन होने के बाद छत्तीसगढ़ राज्य अस्तित्व में आया और दो गौ-सदन (बिलासपुर और रायपुर के) छत्तीसगढ़ राज्य के हिस्से में चले गये। दुर्भाग्य से मध्यप्रदेश के 8 गौ-सदन अकारण ही भंग कर दिये गये। मध्यप्रदेश में गायों के समक्ष समस्या तब पैदा हुई जब मध्यप्रदेश के वर्ष 2000 और वर्ष 2003 के कालखण्ड के तत्कालीन शासन ने चरनोई भूमि की बंदरबाँट मनुष्यों में कर दी।

कन्या से पर्ची निकलवाकर बेगमगंज की 65 पंचायतों का किया आरक्षण

बेगमगंज। मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 17 के साथ पठित मध्यप्रदेश पंचायत निर्वाचन नियम 1995 के नियम 7 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पीठासीन अधिकारी एवं एसडीएम अभिषेक चौरसिया ने निर्वाचन शाखा के अशोक शर्मा एवं स्टाफ के साथ उपस्थित जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में जनपद की 65 पंचायतों के आरक्षण की प्रक्रिया एक कन्या से पर्चियां निकलवाकर आरक्षण की प्रक्रिया पूरी की गई। जिसमें अनुसूचित जाति के लिए 13, अनुसूचित जनजातियों के लिए 8 एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 11 आरक्षित की गई हैं। जिसमें से महिला अजा वर्ग के लिए 7, अजजा वर्ग के लिए 4 महिला अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 6 कुल 32 सीटें अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के महिला पुरुषों के लिए आरक्षित की गई हैं। वहीं अनारक्षित महिला के लिए 17 और अनारक्षित 16 पंचायतें हैं जिसमें कोई भी महिला, पुरुष अपनी किस्मत आजमा सकता है। आरक्षित अनारक्षित पंचायतों में अनुसूचित जाति के लिए अनारक्षित उमरहारी, कोहनिया, गुलबाड़ा, कोटिखोह, टेकापार मुंजप्ता, बसिया शामिल हैं। अनुसूचित जाति महिला के लिए चंदोरिया, सुनेटी, जमुनिया टीके, परसौरा, मोईया, चांदवड़, सुल्तानगंज शामिल हैं। अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित मुक्त में सुनहेरा, कीरतपुर, तिनसुआ व सुनवाहा शामिल हैं। अनुसूचित जनजाति महिला के लिए खमरिया टीएनजी, भैसा, कोकलपुर एवं खैरीता चौका शामिल हैं।

अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए पंदरभटा, भुरेरू, पलोहा, खजुरिया बरामद गढ़ी, महगवां टप्पा शामिल हैं। पिछड़ा वर्ग महिला के लिए आरक्षित नई गढ़िया, घाना कला, पांडाझिर, जमुनिया पिपलिया, फतेहपुर एवं लखनपुर शामिल है। अनारक्षित महिला के लिए खिरेंटी, करहोला, बम्होरी टीटोर, गेहूंरास, शाहपुर सुल्तानपुर, रतनहारी, टेकापार ताको, कल्याणपुर, पिपलिया पाठक, बेरखेड़ी बग, विनायकपुर, मझगवां सानी, बिछुआ जागीर, मवई, तुलसीपार, वीरपुर व घोघरी शामिल हैं।

महिला से अवैध संबंध होने पर बदमाश की पीट-पीट कर हत्या की

रायसेन। जिले के हर्रई गांव में एक महिला से अवैध संबंध होने से नाराज उनके परिजनों ने एक बदमाश की लाठियों व डंडों से पीट- पीटकर हत्या कर दी है। इस हत्या में नूरनगर पुलिस ने दो महिलाओं सहित एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया जबकि एक आरोपित फरार बताया गया है। नूरगंज थाना पुलिस के मुताबिक बीती रात 100 डायल की पुलिस हर्रई गांव से पवन नागर पुत्र हरी सिंह नागर निवासी दिवटिया को घायल हालत में औबेदुल्लागंज अस्पताल लेकर पहुंची थी। यहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया था। मृतक का नाम नूरगंज थाना की गुंडा सूची में दर्ज है। जानकारी मिलते एएसपी अमृत मीणा, एसडीओपी मलकीत सिंह और नूरगंज थाना प्रभारी शैलेंद्र दायमा ने मौके पर जांच पड़ताल की। जांच के दौरान यह पता चला कि पवन नागर हर्रई गांव में एक महिला के घर पर आना जाना था। जिससे महिला के परिजनों में भी नाराजगी थी। इस बात को लेकर उक्त महिला से सज्जो बाई का झगड़ा भी हो चुका था। इस मामले की पहले रिपोर्ट भी नूरगंज थाने में दर्ज हुई थी। घटना वाले दिन सज्जो बाई और सोनिया बाई के उकसाने पर चंद्रशेखर पुत्र रमेश अटवाल और सुरेंद्र पुत्र कमल सिंह दिवटिया पहुंचे और पवन नागर को जबरन बाइक पर बैठाकर हर्रई गांव ले आए। यहां इन चारों ने उसकी लाठियों और डंडों से बदमाश पवन नागर से जमकर मारपीट की। जिससे पवन नागर बुरी तरह से घायल हो गया। अस्पताल पहुंचने पर उसकी मौत हो गई थी। एएसपी मीणा ने बताया कि हत्या के आरोप में चंद्रशेखर उर्फ चंदू पुत्र रमेश अटवाल, सोनिया पत्नी विनोद परमार और सज्जो बाई पत्नी मंगल सिंह राठौर निवासी हर्रई गांव को गिरफ्तार कर लिया है।

कार की टक्कर से बाइक सवार तीन लोग घायल

रायसेन। जिले की सिलवानी उदयपुरा मार्ग पर दो बाइक सवारों को कार ने टक्कर मार दी। जिसमें तीन लोग गंभीर घायल हो गए। हादसे के बाद सड़क के दोनों तरफ लंबा जाम लग गया। घायलों को 108 एम्बुलेंस की मदद से सिविल अस्पताल सिलवानी पहुंचाया गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसा रायसेन जिले की सिलवानीए उदयपुरा मार्ग के पास ग्राम बेकबा खुर्द दीपा पेट्रोल पंप के सामने हुआ। अमावस्या पर बोरास घाट पूजा अर्चना करने जा रहे बाइक सवार राम नारायण मिश्रा निवासी ग्राम बंड़ोली थाना गैरतगंज बालकृष्ण मिश्रा और धनराज सिंह दो अलग-अलग बाइकों पर सवार थे। इसी दौरान तेज रफ्तार कार ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार अनियंत्रित होकर रोड से नीचे एक दुकान में घुस गई। घटनास्थल पर पहुंचे 108 एंबुलेंस के एमटी मोहन शिल्पी पायलट मोहम्मद फिरोज द्वारा स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सिविल अस्पताल सिलवानी में भर्ती कराया।

सूने घर से चोरों ने एक लाख नकदी सहित जेवरात चोरी किए

रायसेन। शहर में एक सूने मकान में चोरों ने धावा बोलकर गोदरेज की अलमारी में रखे एक लाख नकदी सहित सोना चांदी के जेवर पर हाथ साफ कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रायसेन शहर के वार्ड नंबर 14 पीएचई रोड पन्नालाल पंथी के सूने मकान में चोर रात के समय पीछे के दरवाजे से दाखिल हुए और गोदरेज की अलमारी में रखे एक लाख नकदी सहित सोना चांदी के जेवरात चुरा ले गए। पन्नालाल पंथी ने बताया कि वह किसी काम से अपनी पत्नी के साथ भोपाल गए थे। वही रात में उनका बेटा भी घर में ताला लगा कर बाहर चला गया था। तब सुबह 5 बजे आकर उसने देखा तो कमरे में सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी भी खुली थी उसे चोरी की आशंका हुई।

पानी के लिए लोग परेशान, खाली बर्तन रखकर किया प्रदर्शन

रायसेन। शहर के वार्ड नंबर 14 पाटनदेव में इन दिनों लोग पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। पानी की किल्लत से परेशान सोमवार को सुबह लोगों ने खाली बर्तन रखकर नगरपालिका के खिलाफ प्रदर्शन किया। हलाली परियोजना से की जाने वाली जल सप्लाई का पानी लोगों के घरों तक नहीं पहुंचने से लोग दूर दूर से पानी लाने को मजबूर हो गए हैं। वार्ड नंबर 14 के निवासी शुभम कुशवाहा, नूतन कुशवाहा, भागवती देवी, सरोज अहिरवार, बिमला शाक्या, दीपक श्रीवास्तव ने बताया कि पिछले 2 महीने से नलों में पानी नहीं आ रहा है। नलों में आता भी है तो नाम मात्र को जिससे हमारे घरों की पूर्ति नहीं हो पाती। जिस कारण कुए से पानी लाना पड़ रहा है। वहीं नपा परिषद रायसेन द्वारा एक दिन छोड़कर जल सप्लाई की जा रही है। नगर के वार्ड 13,14,15 वार्ड के लगभग 15 से 20 लोगों ने 15000 रुपये जमा कर नए कनेक्शन लिए थे परंतु पानी नलों में नहीं पहुंच रहा है।

सार्वजनिक नल भी किया बंद

वार्ड वासियों ने बताया सड़क निर्माण के दौरान लगा सार्वजनिक नल टूट गया था। जिस कारण 10 दिन से यह सार्वजनिक नल भी बंद हो गया है। इस नल से वार्ड के कई लोग पानी भरते थे पर जब से यह नल बंद हुआ है। वार्डवासियों के सामने बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। इस संबंध में नपा के इंजीनियर और जल अभिषेक मालवीय का कहना है कि वार्ड 13 और 14 की टंकी दिन में तीन से चार बार लोड की जाती है जिस कारण इसमें अधिक समय लगता है वहीं वार्ड नंबर 14 के वार्डवासियों की मांग पर ही उनको एक दिन छोड़कर पानी दिया जा रहा है।

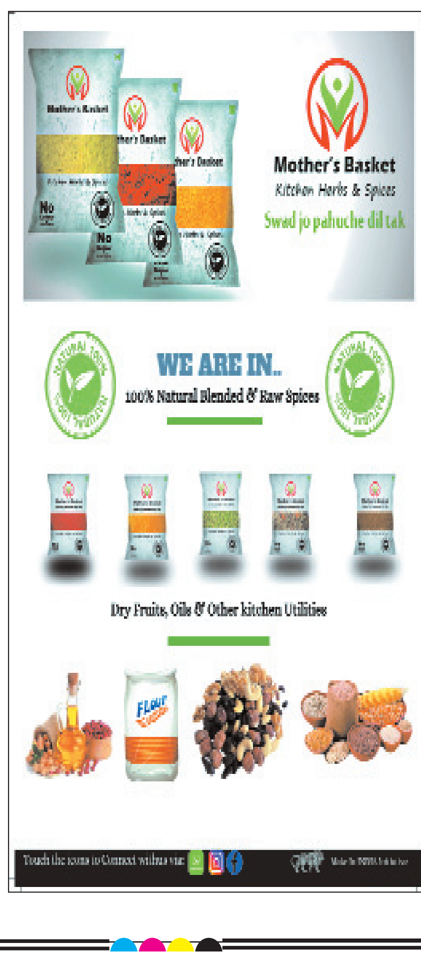

रसिका दुग्गल

ओटीटीः वेब सीरीज में बोल्ड सीन्स से सनसनी मचा चुकी हैं ये अभिनेत्रियां

मनोरंजन जगत में इन दिनों ओटीटी प्लेटफॉर्म का क्रेज तेजी से बढ़ता जा रहा है। ओटीटी की तरफ लोगों का बढ़ता रुझान देख मेकर्स ज्यादा से ज्यादा कंटेंट पेश कर रहे हैं। रोमांस,कॉमेडी, हॉरर, क्राइम जैसे कई कंटेंट ओटीटी पर मौजूद हैं। लेकिन इन ओटीटी पर दर्शकों को बोल्डनेस से भरी कई सीरीज भी देखने को मिल जाती है। इन सीरीज में नजर आने वाली एक्ट्रेसेस ने बोल्ड सीन देकर सनसनी मचा दी थी। आइए जानते हैं ऐसी ही कुछ अभिनेत्री के बारे में-

कियारा आडवाणी

नेटफिलक्स की सीरीज 'लस्ट स्टोरी' में बॉलीवुड एक्ट्रेस किराया आडवाणी ने बोल्ड सीन देकर हर किसी को चौंका दिया। इस सीरीज में अभिनेत्री पर फिल्माया गया यह सीन अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल होता रहता है।

अदिति पोहनकर

मशहूर सीरीज आश्रम में पम्मी के किरदार में शोहरत हासिल करने वालीं एक्ट्रेस अदिति पोहनकर भी अपने बोल्ड सीन्स तहलका मचा दी चुकी हैं। आश्रम की सीधी- साधी पम्मी उर्फ अदिति ने वेब सीरीज 'शी' में जमकर बोल्ड सीन्स दिए। उनके बोल्ड सीन्स काफी लंबे समय तक चर्चाओं में रहे थे।

सयानी गुप्ता

अमेजन प्राइम की मशहूर सीरीज फॉर मोर शॉट्स प्लीज में अभिनेत्री सयानी गुप्ता और मिलिंद सोमन के बीच शूट किए गए सीन्स ने बोल्डनेस के मामले सबको पीछे छोड़ दिया था।

रसिका दुग्गल

मशहूर और चर्चित वेब सीरीज मिर्जापुर लोगों को काफी पसंद आई थी। इस सीरीज के हर किरदार ने दर्शकों के बीच एक अलग पहचान बनाई। लेकिन सीरीज में कालीन भैया की पत्नी के किरदार में नजर आईं एक्ट्रेस रसिका दुग्गल बोल्ड सीन्स देकर लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गई थीं।

बॉक्स ऑफिस पर कायम है कार्तिक का राज

कोरोना महामारी के दो साल बाद अब बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई का सिलसिला शुरू हो गया है। कन्नड़, मलयालम, पंजाबी समेत सभी भाषाओं की फिल्में एक दूसरे को कड़ी टक्कर दे रही हैं।

यदि हम बुधवार बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट की बात करें तो कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 2 ने आयुष्मान खुराना अभिनीत अनेक, वरुण तेज की एफ 3 और टॉम क्रूज स्टारर टॉप गन मेवरिक से ज्यादा का कलेक्शन किया है। वहीं रेटिंग में भूल भुलैया 2 को पछाड़ने वाली फिल्म अनेक का बुरा हाल है। इसके कलेक्शन की रफ्तार को देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि फिल्म शायद कुल 15 करोड़ तक की ही लाइफटाइम कलेक्शन कर पाएगी। पढ़िए हमारी बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट... कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की फिल्म रिलीज के बाद से ही धमाल मचा रही है। वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस की बात करें तो भूल भुलैया 2 ने दुनिया भर में 150 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। वहीं भारत में इस फिल्म ने कथित तौर पर 13वें दिन में लगभग 4.50 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसी के साथ इसका कुल घरेलू बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 137.59 करोड़ रुपये हो गया है।

मानहानि मामले में जॉनी डेप को मिली जीत, जूरी ने अभिनेता के पक्ष में सुनाया फैसला

हॉलीवुड सुपरस्टार जॉनी डेप बीते लंबे समय से अपनी पूर्व पत्नी एम्बर हर्ड के खिलाफ हाई-प्रोफाइल मानहानि मुकदमे को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। जॉनी डेप और एम्बर हर्ड के लंबी कानूनी लड़ाई चल रही थी, जिसपर आखिरकार फैसला सुना दिया गया है। कई समय से चल रही इस कानूनी लड़ाई में एक के बाद कई एक हैरान कर देने वाले खुलासे सामने आए। बीते छह सप्ताह में 100 घंटे से अधिक समय की गवाही के बाद इस पूरे मामले में कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। जॉनी डेप-एम्बर हर्ड मानहानि मुकदमे में जूरी ने अपना जॉनी डेप के पक्ष में सुनाया। मामले में जूरी ने एम्बर हर्ड को मानहानि का दोषी पाया और फैसला सुनाया कि जॉनी डेप साबित करने में सक्षम हैं कि उन्हें बदनाम किया गया था। इसके साथ ही जूरी ने एम्बर हर्ड को 10 मिलियन डॉलर की क्षतिपूर्ति और 5 मिलियन डॉलर के दंडात्मक हर्जाने का भुगतान करने का भी आदेश दिया है। इसके अलावा जूरी ने जॉनी डेप को भी उनके खिलाफ एम्बर के काउंटर सूट में मानहानि के कुछ मामलों में दोषी पाया है।

सलमान खान की बढ़ी सुरक्षा और स्पेशल कोर्ट से मिली रिया चक्रवर्ती को राहत

गायक-राजनेता सिद्धू मूसेवाला की हत्या के कुछ दिनों बाद, मुंबई पुलिस ने बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की सुरक्षा बढ़ा दी है। बता दें कि सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड का मुख्य संदिग्ध लॉरेंस बिश्नोई ने आज से कुछ साल पहले अभिनेता पर हमले का प्लान बनाया था। जिसे ध्यान में रखते हुए पुलिस ने सलमान खान के प्रति खतरे के स्तर का विश्लेषण करने के बाद उनकी सुरक्षा बढ़ाने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि इस वक्त गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई तिहाड़ जेल में बंद है। मुंबई की एक विशेष अदालत ने बुधवार को अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत से संबंधित ड्रग्स मामले में आरोपी अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को आईफा अवॉर्ड शो में भाग लेने की अनुमति दे दी है। इसके साथ ही विशेष न्यायाधीश एए जोगलेकर ने अभियोजन एजेंसी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) को रिया चक्रवर्ती का पासपोर्ट उन्हें सौंपने का निर्देश दिया है।

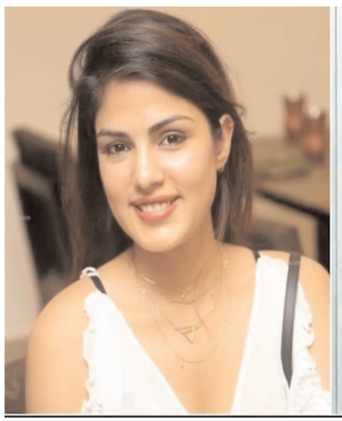

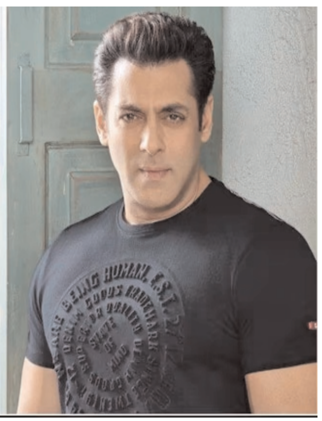

ईडी ने पीएफआई के बैंक खातों को कुर्क किया, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कार्रवाई

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कहा कि उसने इस्लामिक संगठन पीएफआई और उसके अग्रिम संगठन रिहाब इंडिया फाउंडेशन के 68.62 लाख रुपये धनशोधन के आरोप में अटैच किए हैं। जांच एजेंसी ने इन दोनों संगठनों के 33 बैंक खातों को अटैच किया है। ईडी ने बयान जारी कर यह जानकारी दी। इन खातों में 68 लाख रुपये से अधिक की राशि है। खातों को जब्त करने का आदेश धनशोधन रोकथाम कानून के तहत दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पीएफआई के 23 खातों में पड़े 59,12,051 रुपये जबकि रिहाब इंडिया फाउंडेशन के 10 खातों में 9,50,030 रुपये अटैच हुए हैं। कट्टरपंथी संगठन पीएफआई का गठन 2006 में केरल में हुआ था और इसका मुख्यालय दिल्ली में है। खाते अटैच होने के बाद पीएफआई ने बयान जारी कर कहा, मीडिया की खबरों के अनुसार हमारे संज्ञान में यह बात आई है कि ईडी ने अस्थाई रूप से हमारे बैंक खातों को अटैच किया है। हम इन खबरों को जांच रहे हैं और बृहस्पतिवार को इस बारे में विस्तृत बयान देंगे। ईडी उन आरोपों की जांच कर रही है जिनमें कहा गया है कि पीएफआई ने सीएए विरोधी आंदोलन और फरवरी 2020 के दिल्ली दंगों को वित्तीय मदद उपलब्ध कराई। ईडी ने पीएफआई और उसके पदाधिकारियों के खिलाफ दो आरोपपत्र दाखिल किए हैं।

पीएफआई के खातों में 60 करोड़ रुपये आने का आरोप

ईडी ने कहा, जांच में खुलासा हुआ है कि संदिग्ध स्रोतों से पीएफआई और आरएफआई ने भारी मात्रा में पैसे हासिल किए। इनमें नकद जमा शामिल हैं। 2009 से लेकर अबतक पीएफआई के खातों में 60 करोड़ से अधिक की धनराशि जमा हुई जिसमें 30 करोड़ रुपये से अधिक नकद जमा हुए।

सहकारी बैंक के पूर्व एमडी के यहां ईडी का छापा

ईडी ने असम में सहकारी बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक (एमडी) के घर पर छापा मारा और कुछ दस्तावेज जब्त किए। ईडी अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि सहकारी बैंक के एमडी सुभ्र ज्योति भराली व अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत यह कार्रवाई की गई। ईडी की टीम ने भराली के घर और अधिकारिक ठिकानों पर तलाशी ली। ईडी ने कामरूप पुलिस की उस एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की है जिसमें आरोप है कि भराली ने अपने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर 9.5 करोड़ रुपये की हेरा फेरी की है।

बिल्डर भोसले को पूछताछ के लिए दिल्ली लाई सीबीआई, यस बैंक घोटाले मामले में कार्रवाई

नई दिल्ली। एबीआईएल समूह के अध्यक्ष अविनाश भोसले को पूछताछ के लिए सीबीआई दिल्ली लेकर आई है। भोसले को यस बैंक के सह संस्थापक राणा कपूर और डीएचएफएल के कपिल वधावन से संबंधित भ्रष्टाचार के मामले में मुंबई से गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों ने कहा कि भोसले से मुंबई में पूछताछ की गई है, उन्हें मंगलवार रात राष्ट्रीय राजधानी लाया गया। एजेंसी इस बाबत जांच कर रही है कि कहीं यस बैंक और डीएचएफएल घोटाले के तार महाराष्ट्र के दूसरे बड़े बिल्डरों से तो नहीं जुड़े हैं। एजेंसी ने इस मामले में 30 अप्रैल को राज्य के कुछ बड़े बिल्डरों के परिसरों की तलाशी ली थी। सीबीआई ने भोसले को 2020 में कपूर और वधावन के विरुद्ध दर्ज मामले के सिलसिले में गिरफ्तार किया है। इस मामले में एजेंसी ने पिछले दिनों रेडियस डेवलपर्स के संजय छाबड़िया को गिरफ्तार किया था। कपूर ने वधावन के साथ मिलकर यस बैंक से डीएचएफएल को वित्तीय लाभ पहुंचाने की आपराधिक साजिश रची थी।

एक जून से कार-बाइक का बीमा कराना होगा महंगा, सरकार के इस फैसले से बढ़ेगा बोझ

नई दिल्ली। वाहन चालकों के लिए बड़ी खबर है, दरअसल उनकी जेब का खर्च बढ़ने वाला है। जी नहीं, हम पेट्रोल और डीजल के दामों की बात नहीं कर रहे हैं, ये बोझ बढ़ने वाला है कार या बाइक के बीमा को लेकर। दरअसल, 1 जून 2022 से आपकी कार समेत अन्य वाहनों का बीमा महंगा होने वाला है। केंद्र सरकार ने बुधवार को थर्ड पार्टी मोटर व्हीकल इंश्योरेंस के प्रीमियम रेट में इजाफा कर दिया है। केंद्र सरकार की ओर से लिए गए इस फैसले के बाद अब कार के इंजन के हिसाब से बीमा कराने के लिए ज्यादा राशि का भुगतान करना पड़ेगा। इस बढ़ोतरी के संबंध में सड़क एवं परिवहन मंत्रालय की ओर से जारी की गई अधिसूचना के मुताबिक, मोटर इंश्योरेंस के प्रीमियम में इससे पहले साल 2019-20 के लिए बढ़ोतरी की गई थी। इसमें बताया गया कि बीमा प्रीमियम की नई दरें एक जून 2022 से प्रभावी हो जाएंगी।

दोपहिया वाहनों के लिए ये प्रीमियम तय

केंद्र सरकार के अधिसूचना के मुताबिक, सिर्फ चार पहिया वाहनों के लिए ही नहीं, बल्कि दोपहिया वाहनों के लिए भी सरकार ने थर्ड पार्टी इंश्योरेंस प्रीमियम की दर में बदलाव किया है। अधिसूचना के मुताबिक, एक जून 2022 से 150 सीसी से लेकर 350 सीसी वाली बाइक का प्रीमियम 1,366 रुपये बसूला जाएगा, जबकि 350 सीसी से ज्यादा क्षमता वाले इंजन वाले दोपहिया वाहनों के लिए इंश्योरेंश प्रीमियम 2,804 रुपये फिक्स किया गया है।

ऐसे बढ़ेगा वाहन स्वामियों पर बोझ

परिवहन मंत्रालय के मुताबिक, अब 1,000 सीसी से कम क्षमता वाले इंजन के वाहनों को थर्ड पार्टी बीमा के लिए निर्धारित प्रीमियम 2,094 रुपये चुकाना होगा, जो कि 2019-20 में 2,072 रुपये था। इसके अलावा 1,000 सीसी से 1,500 सीसी वाली कारों का थर्ड पार्टी इंश्योरेंस का प्रीमियम 3,221 रुपये से बढ़ाकर 3,416 रुपये किया गया है। 1,500 सीसी से ऊपर वाले वाहनों के लिए थर्ड पार्टी इंश्योरेंस प्रीमियम में मामूली बढ़ोतरी की गई है और यह 7,890 रुपये की जगह 7,897 रुपये हो गया है।

कोरोना के चलते दो साल स्थिर थीं दरें

यहां बता दें कि कोरोना महामारी के कारण दो साल तक प्रीमियम में किसी तरह का कोई भी बदलाव नहीं किया गया था। संशोधित टीपी बीमा प्रीमियम एक जून से लागू होगा। इससे पहले, इन दरों को भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (इरडाई) द्वारा अधिसूचित किया गया था। ऐसा पहली बार है जबकि सड़क एवं परिवहन मंत्रालय ने बीमा नियामक के परामर्श करने के बाद टीपी दरों को अधिसूचित किया है। मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए प्रीमियम पर 7.5 फीसदी की छूट दिए जाने का प्रावधान किया गया है।

100 अरब डॉलर के नीचे पहुंची नेटवर्थ,

मुकेश अंबानी ने एक बार फिर लगाई लंबी छलांग

नई दिल्ली। दुनिया के शीर्ष अरबपतियों की सूची में रोजना बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। जहां एक ओर लंबे समय तक नुकसान झेलने के बाद टेस्ला सीईओ एलन मस्क अब जोरदार फायदे में चल रहे हैं और शीर्ष पायदान पर अपना दबदबा बनाए हुए हैं। वहीं दूसरी ओर एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी को बीते कुछ दिनों से घाटा उठाना पड़ रहा है और वह लगातार सूची में नीचे खिसकते जा रहे हैं। ताजा आंकड़ों को देखें तो अदाणी की नेटवर्थ कम होकर 100 अरब डॉलर के नीचे पहुंच गई है।

टॉप-10 में आठवें नंबर पर खिसके

बुधवार को दुनिया के शीर्ष अरबपतियों की संपत्ति पर नजर डालें तो टॉप-10 में शामिल एक भारतीय उद्योगपति को जोरदार नुकसान हुआ है, जबकि दूसरे उद्योगपति को जबरदस्त फायदा हुआ है। जी हां, हम बात कर रहे हैं अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के मालिक मुकेश अंबानी की।

मुकेश अंबानी का दबदबा बढ़ा

एक ओर जहां गौतम अदाणी का कद कमजोर पड़ रहा है, तो टॉप-10 अरबपतियों में शामिल रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने लंबी छलांग लगाई है और दसवें नंबर से नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं। खबर लिखे जाने तक अंबानी को 2.09 अरब डॉलर (16 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा) का फायदा हुआ है। इसके साथ ही मुकेश अंबानी की नेटवर्थ बढ़कर 96 अरब डॉलर पर पहुंच गई है।

दोनों के बीच रह गया इतना अंतर

गौतम अदाणी और मुकेश अंबानी की संपत्ति में महज दो अरब डॉलर का फासला रह गया है।दौलत की रेस लंबे समय से जारी है, लेकिन साल 2022 की शुरुआत से गौतम अदाणी ने एलन मस्क समेत दुनिया के दूसरे सबसे अमीर लोगों से ज्यादा कमाई की और लगातार टॉप-10 में अपना स्थान ऊपर की ओर बनाते चले गए।

खत्म होने वाला है करोड़ों किसानों का इंतजार, योजना की 11वीं किस्त को लेकर आया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 11वीं किस्त का इंतजार कर रहे किसानों के लिए एक बड़ा अपडेट आया है। मई की शुरुआत में कुछ रिपोर्टों में कहा गया था कि किस्त 14 मई को किसानों के खाते में आ सकती है, लेकिन वो तारीख भी गुजर गई। अब सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में जानकारी दी गई है कि किसानों के खातों में योजना के 11वीं किस्त की राशि 31 मई को आ सकती है। पीएम किसान योजना के तहत करोड़ों किसानों के खाते में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मई महीने के आखिरी दिन पैसा ट्रांसफर कर सकते हैं। यहां बता दें कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान

निधि योजना का लाभ पाने के लिए सबसे जरूरी काम करने की भी आखिरी तिथि 31 मई है। जी हां हम बात कर रहे हैं ई-केवाईसी प्रक्रिया की। सरकार ने इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए अंतिम तिथि को बढ़ाकर 31 मई कर दिया था। इसे पूरे न करने वाले किसानों को योजना का लाभ नहीं दिया जाएगा। इससे पिछले साल के रिकॉर्ड को देखें तो अप्रैल-जुलाई की किस्त बीते साल 15 मई को आई थी। लेकिन, इस बार इस किश्त मई महीने के अंत तक आने की उम्मीद जताई जा रही है। गौरतलब है कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत लगभग 12.53 करोड़ किसान रजिस्टर्ड हैं।

आवश्यकता

युवा प्रदेश नेटवर्क

मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक-नागेश नरवरिया
मो.- 9425156055-9755364204

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)